Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

# ॥ श्री सत्यनारायण पूजा विधि ॥

## ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

# Full Disclaimer

*This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.*

*This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.*

*Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.*

*Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.*

Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

# ॥ पूजा का संकल्प और तैयारी ॥

श्री सत्यनारायण भगवान विष्णु का पूजन पूर्णिमा पर लोकप्रिय है; परिवार अपनी सुविधा और परंपरा के अनुसार दूसरे दिन भी पूजा कर सकता है। किसी खास वर्ष की तिथि या शाम का मुहूर्त अपनाना हो तो स्थानीय पंचांग देखें।

## स्वच्छ स्थान और आसन

घर में साफ चौकी पर कपड़ा बिछाकर श्री सत्यनारायण का चित्र या प्रतिमा रखें। पास में कलश या जलपात्र, फूल, तुलसीदल, दीप और नैवेद्य रखें। सभी बैठने वालों को कथा सुनने की सुविधा दें।

## संकल्प और गणेश स्मरण

स्नान करके साफ वस्त्र पहनें। गणेशजी का स्मरण करें और भगवान सत्यनारायण के सामने अपने शब्दों में परिवार तथा सबके मंगल का संकल्प लें। लंबा उपवास हो तो अपने स्वास्थ्य और दवाओं का ध्यान रखें।

चित्र पर जल या पंचामृत सीधे न डालें। प्रतिमा का अभिषेक करें तो उसकी सामग्री और स्थान के अनुसार सावधानी रखें; प्रतीकात्मक जल अर्पण भी पर्याप्त है।

Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

# ॥ पूजन, कथा और आरती ॥

### १. भगवान का आवाहन

भगवान विष्णु और सत्यनारायण का ध्यान करें। जल का प्रतीकात्मक अर्पण करें, फिर चंदन, अक्षत, फूल तथा तुलसीदल चढ़ाएँ। धूप-दीप दिखाएँ और फल या सात्त्विक नैवेद्य रखें।

### २. पाँचों अध्याय सुनें

प्रथम से पंचम अध्याय तक सत्यनारायण व्रत कथा क्रम से पढ़ें या सुनें। परिवार एक साथ शांत मन से बैठ सकता है। कथा के बीच विराम चाहिए तो लें; सबके लिए पानी और आराम की व्यवस्था रखें।

### ३. आरती और प्रसाद

कथा के बाद सत्यनारायण या विष्णु आरती करें, सबके लिए मंगल प्रार्थना करें। पंचामृत और प्रसाद घर की रीति के अनुसार पहले भगवान को अर्पित करके फिर बाँटें। खाने की एलर्जी और स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

पूजा के बाद परिवार या अतिथियों के साथ भोजन करना चाहें तो सामर्थ्य के अनुसार करें। प्रसाद को धार्मिक विश्वास से लें; किसी को भोजन या उपचार की आवश्यकता हो तो उसे न टालें।

**॥ श्री सत्यनारायण भगवान की जय ॥**